माननीय राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का अन्धत्व निवारण दिवस पर उद्‌बबोधन

स्थान:- भोपाल दिनांक :- 14 सितम्बर, 2013 समय :- दोपहर 12 बजे

अन्धत्व निवारण दिवस पर आज यहां पधारे आप सभी दृष्टिबाधितों और इससे जुड़ी संस्थाओं के पदाधिकारियों का मैं हार्दिक स्वागत करता हूं और बधाई देता हूं।

सरकार और स्वंय सेवी संस्थाओं द्‌वारा दृष्टिबाधितों के कल्याण और सहायतार्थ किये जा रहे प्रयासों के संतोषजनक परिणाम दिखने लगें हैं। इसके लिए मैं सरकार और स्वंय सेवी संस्थाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा करता हूं।

दृष्टिबाधितों के भविष्य को लेकर समाज और माँ-बाप के मन में जो चिंता और दुख रहता था वह अब कम होता जा रहा है। अब दृष्टिबाधित होना समाज के लिए कोई बड़ी समस्या नहीं रही है। दृष्टिबाधितों की सहायता और मदद पुण्य का काम तो है ही, इनके पुनर्वास और कल्याण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाना हम सब का कर्तव्य भी है। अब दृष्टिबाधित अपनी आजीविका के साथ-साथ घर परिवार के खर्च का भी बोझ संभालने की क्षमता रखते हैं। अन्धत्व एक मानवीय विडम्बना है। इसको एक अंग दोष के रूप में मानवीय दृष्टि से देखना चाहिए। इसे अभिशाप या बोझ समझ कर अपने से दूर नहीं करना चाहिए।

आज का दिन हम जैसे दृष्टि रखने वालों के लिए भगवान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करता है। हमें उसका धन्यवाद देना चाहिए कि उसने हमें हर तरह से सक्षम बनाया और किसी के सहारे पर जीवन जीने का माध्यम नहीं बनाया।

मैं दृष्टिबाधितों से आग्रह करना चाहूंगा कि वे अपनी अंतर्दृष्टि को विकसित करें और उसकी मदद से अपने अंदर कौशल, दक्षता और हौसला पैदा करें। आज काम की कोई कमी नहीं है। सिर्फ मनुष्य के मन में दृढ़ इच्छा शक्ति होना चाहिए। आप दृढ इच्छा शक्ति के द्‌वारा ही जीवन में आने वाली चुनौतियों और कठिनाईयों का मुकाबला कर सकते हैं।

ध्वज दिवस के अवसर पर मैं सम्पूर्ण मानव जगत से इस अभियान में अधिक से अधित सहयोग और योगदान देने की अपील करता हूं । ताकि दृष्टिबाधितों के जीवन की बेहतरी की दिशा में किये जा रहे प्रयासों में पैसों की कमी रूकावट न बन सके। इसके साथ ही दृष्टिबाधितों के प्रति एक मानवीय दृष्टिकोण और सकारात्मक सोच विकसित करने की आवश्यकता है।

मैं एक बार पुन: आप सभी के उन्नत और सुखी जीवन की कामना करता हूं।

जय हिन्द।